2025 में स्पॉटिफाई का 'रांझण' गाना नंबर-वन

कनिका ढिल्लों और कृति सैनन निर्मित फिल्म दो पत्ती का गाना रांझण स्पॉटिफाई इंडिया का 2025 का सबसे ज्यादा सुना गया गाना बन गया है. कहानीकार और निर्माता कनिका ढिल्लों एक और बड़ी उपलब्धि का जश्न मना रही हैं. उनकी हालिया नेटफ्लिक्स थ्रिलर फिल्म दो पत्ती, जो 2024 की सबसे ज्यादा स्ट्रीम की गई फिल्म भी रही, का दिल छू लेने वाला सॉन्ग 'रांझण' अब स्पॉटिफाई इंडिया पर 2025 का सबसे ज्यादा स्ट्रीम किया गया गाना बन गया है.

'रांझण', जिसमें परंपरा टंडन की दिलकश आवाज़, सचेत-परंपरा का संगीत और कौसर मुनीर के खूबसूरत बोल हैं, पूरे साल प्लेलिस्ट पर छाया रहा और 2025 का सबसे प्रभावी हार्टब्रेक एंथम बन गया. यह सफलता कनिका ढिल्लों के प्रोडक्शन हाउस कथा पिक्चर्स के लिए एक बड़ी जीत है, जिसने कृति सैनन की ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स के साथ मिलकर दो पत्ती फिल्म निर्मित की. इससे पहले उनकी सह-निर्मित फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा की सफलता ने भी कॉन्टेंट क्रिएशन में उनकी मजबूत पहचान बनाई है. दो पत्ती के साथ प्रोडक्शन में कदम रखते हुए कनिका ढिल्लों ने अपने करियर का एक नया अध्याय शुरू किया, एक ऐसा करियर जो हमेशा दमदार, भावनात्मक और बेजोड़ किरदारों के लिए जाना जाता है. उन्होंने मनमार्जियाँ, केदारनाथ, जजमेंटल है क्या से लेकर रश्मि रॉकेट जैसी विभिन्न शैलियों की फिल्में की हैं. फिर आई हसीन दिलरुबा, दो पत्ती और अब रांझण की लगातार मिल रही सफलता के बीच, कनिका ढिल्लों आज लेखक और निर्माता, दोनों रूपों में नए मानक तय कर रही हैं. कनिका ढिल्लों ने कहा, 'रांझण को मिला यह अपार प्यार मेरे लिए बेहद विनम्रता का क्षण है. एक लेखक और निर्माता के रूप में हमारी कोशिश हमेशा ऐसी कहानियाँ कहने की रहती है, जो लोगों के दिल को छू जाएँ.

मेरा सफर चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ संतुष्टिपूर्ण भी है नुसरत भरुचा

बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरुचा का कहना है कि उनका सफर, चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ संतुष्टिपूर्ण भी है. नुसरत भरुचा ने हाल ही में अपने एक इंटरव्यू के दौरान 'छोरी 2' के सफ़र पर की दिल छू लेने वाली बात कहते हुए बताया कि एक लड़की के लिए अपना फ्रेंचाइज़ी बनाना आसान नहीं होता, लेकिन उन्होंने इसे आखिरकार कर ही दिखाया. नुसरत भरुचा ने एक ऐसे दौर में अपनी अलग जगह बनाई है, जहाँ महिला-प्रधान फिल्म फ्रेंचाइज़ी बहुत कम देखने को मिलती हैं.

'छोरी' के बाद 'छोरी 2' के सफल प्रदर्शन के बाद नुसरत अब हॉरर यूनिवर्स के अगले चरण यानी 'छोरी 3' के लिए पूरी तरह तैयार हैं. हालांकि वे इसे एक ऐसी उपलब्धि मानती हैं, जो चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ बेहद संतोषजनक भी है. नुसरत भरुचा ने अपने फ़िल्मी सफ़र पर बात करते हुए कहा, 'छोरी 1 और 2 मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं.

बचपन का सपना, 'राहु केतु' से पूरा

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट अपनी आने वाली फिल्म 'राहु केतु' को लेकर बेहद उत्साहित हैं. उनके मुताबिक यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि बचपन से जुड़े उस सपने की पूर्ति है, जिसे उन्होंने 'अजूबा' और 'छोटा चेतन' जैसी फैंटेसी फिल्मों को देखकर संजोया था.

पुलकित ने बताया कि 'राहु केतु' उनके करियर की पहली फैंटेसी फिल्म होने के साथ-साथ एक ऐसा अनुभव है, जिसने उन्हें दोबारा उस ही जादुई दुनिया में पहुँचा दिया, जिसे वे बचपन से महसूस करते आए हैं. उन्होंने कहा कि इस फिल्म का हिस्सा बनना उनके लिए बेहद खास है और यह यात्रा उन्हें पूरी तरह नए जोश और क्रिएटिव ऊर्जा से भर रही है. पुलकित सम्राट ने फिल्म में अपने को-स्टार चंकी पांडे की भी दिल खोलकर

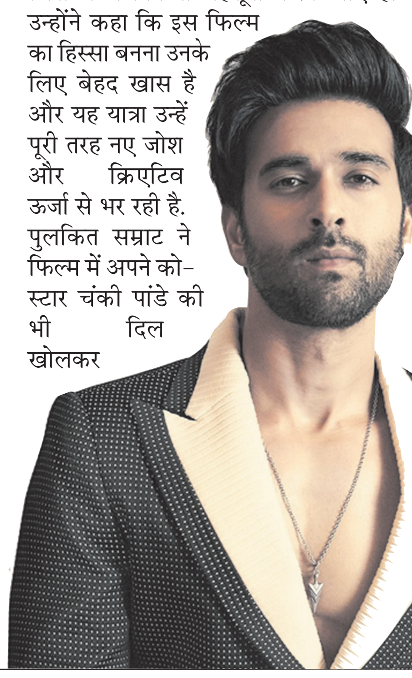

तारीफ की. उन्होंने बताया कि पहली नज़र में चंकी पांडे की एक्टिंग सहज लगती है, लेकिन असल में वे हर सीन की तैयारी में गहराई से जुटते हैं. पुलकित के अनुसार चंकी पांडे की मेहनत और समर्पण इतने प्रेरणादायी हैं कि सेट पर उनके साथ खड़े किसी भी कलाकार को खुद बेहतर बनने की प्रेरणा मिलती है. उन्होंने कहा कि चंकी पांडे के साथ काम करने का अनुभव मानो किसी एक्टिंग यूनिवर्सिटी में शामिल होने जैसा था, जहाँ हर दिन नए सबक मिलते थे.

पुलकित ने यह भी बताया कि चंकी पांडे न सिर्फ अनुभवी कलाकार हैं, बल्कि एक मार्गदर्शक पिता भी हैं, जिनकी वजह से उनकी बेटी अनन्या पांडे ने फिल्मों में अपनी एक मजबूत पहचान बनाई है. उन्होंने कहा कि अनन्या की परफॉर्मेंस में जो आत्मविश्वास और धार दिखाई देती है, उसके पीछे चंकी पांडे की वर्षों की सीख और मार्गदर्शन की अहम भूमिका है.

रिश्ते की दरार पर बोलीं सोनाक्षी : थैरेपी ने बचाया रिश्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने अपने पति जहीर इकबाल के साथ रिश्ते में आए एक बेहद चुनौतीपूर्ण दौर का खुलासा करते हुए बताया कि कैसे कपल थेरेपी ने उनके रिश्ते को टूटने से बचा लिया. एक पॉडकास्ट बातचीत में उन्होंने साहसिक रूप से बताया कि तीन साल डेटिंग करने के बाद उनके रिश्ते में तनाव इतना बढ़ गया था कि दोनों एक-दूसरे की बात को न समझ पा रहे थे और न झेल पा रहे थे. लगातार बढ़ती गलतफहमियों ने रिश्ते को एक गंभीर मोड़ पर पहुँचा दिया था.

सोनाक्षी ने बताया कि 'हमारी स्थिति इतनी खराब हो गई थी कि हम छोटी-छोटी बातों पर एक-दूसरे के बाल नोचने को तैयार थे. चाहे कितना भी कोशिश कर लो, सामने वाले का नजरिया समझ ही नहीं आता था.' उनके मुताबिक यह दौर मानसिक और भावनात्मक दोनों स्तरों पर बेहद थका देने वाला था. ऐसा लगने लगा था कि शायद अब संवाद संभव ही नहीं. इसी समय जहीर ने कपल थेरेपी का सुझाव दिया. शुरुआत में सोनाक्षी को यह थोड़ा अनकंफर्टेबल लगा, लेकिन उन्होंने हिम्मत दिखाते हुए इस सलाह को माना.

सोनाक्षी ने बताया कि सिर्फ दो सेशन में ही उन्हें समझ आने लगा कि संवाद की कमी कैसे गलतफहमियों को जन्म देती है, और कैसे हर शब्द का अर्थ वही नहीं होता जो सुनाई देता है. 'थैरेपी ने हमें सिखाया कि सामने वाला जो कह रहा है, वह हमेशा उसके मन का असली मतलब नहीं होता. सोच, भावनाएँ और डर—ये सब मिलकर शब्दों को बदल देते हैं,' उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रक्रिया ने दोनों को एक-दूसरे की भावनाओं, भय और असुरक्षाओं को असल रूप में देखने की क्षमता दी. जहाँ पहले वे प्रतिक्रियाओं में उलझे रहते थे, वहीं अब वे समझ और धैर्य को प्राथमिकता देने लगे.

जापान स्क्रीनिंग में चमके प्रभास

दक्षिण भारतीय फिल्मों के मेगा स्टार प्रभास ने जापान में 'बाहुबली: द एपिक' की स्क्रीनिंग में अपनी उपस्थिति से दर्शकों का दिल जीत लिया. यह खास फिल्म, जिसमें 'बाहुबली: द बिगिनिंग' और 'बाहुबली: द कन्क्ल्यूज़न' को जोड़कर एक महावर्ज़न बनाया गया है, 12 दिसंबर 2025 को जापान में रिलीज़ होने जा रही है.

रिलीज़ से पहले रखी गई इस विशेष स्क्रीनिंग में उत्साह का ऐसा माहौल देखने को मिला कि पूरा कार्यक्रम एक बड़े उत्सव में बदल गया. थिएटर प्रभास के फैंस से खचाखच भरा हुआ था, जो न सिर्फ फिल्म देखने बल्कि अपने पसंदीदा स्टार को करीब से देखने के लिए उत्साहित थे. स्क्रीनिंग खत्म होने के बाद प्रभास ने बेहद विनम्रता और आत्मीयता के साथ फैंस से मुलाकात की, ऑटोग्राफ दिए, फोटो खिंचवाईं और उनके लिए यह पल यादगार बना दिया.

इसी दौरान उन्होंने एक विशेष नोट भी सोशल मीडिया पर साझा किया, जो निर्देशक एस.एस. राजामौली ने उन्हें जापान पहुंचने पर दिया था. इस नोट ने इस यात्रा को और मायने दे दिए. स्क्रीनिंग की एक फोटो के साथ प्रभास ने लिखा, 'डारलिंग एसएसराजामौली... आपको बहुत सारा प्यार. यहां जापान में आपकी कमी महसूस हो रही है... हम दोनों फिर साथ में आएंगे.'

उनका यह संदेश सोशल मीडिया पर जापानी दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हुआ. कार्यक्रम के दौरान प्रभास ने अपने संबोधन में कहा, 'पिछले 10 सालों में बहुत लोगों ने मुझे जापान के बारे में बताया था. आज आप सबको सामने देखकर मेरा सपना पूरा हो गया. लक्ष्मी गारु की तरह, मैं भी हर साल जापान आकर आपसे मिलना चाहता हूँ.' उनकी इस भावुक प्रतिक्रिया ने वहाँ मौजूद हजारों प्रशंसकों को भावुक कर दिया.

देवों के देव महादेव की 'पार्वती' बनीं मां

दिखाई नन्ही परी की पहली झलक

टीवी जगत की लोकप्रिय अभिनेत्री सोनारिका भदौरिया ने अपने फैंस को सबसे बड़ी खुशी देते हुए अपनी बेटी के जन्म की सूचना साझा की है. 'देवों के देव महादेव' में मां पार्वती की शांत, दिव्य और सौम्य भूमिका निभाकर देशभर में पहचान बनाने वाली सोनारिका के घर अब किलकारियां गूंज उठी हैं. उनकी शादी दिसंबर 2024 में विकास पराशर से हुई थी और शादी के ठीक एक साल बाद यह खुशखबरी आई है.

सोनारिका ने इंस्टाग्राम पर साझा की गई तस्वीर के जरिए बताया कि उनकी बेटी का जन्म 5 दिसंबर को हुआ. तस्वीर में बच्ची का चेहरा नहीं दिखाया गया है, बल्कि सिर्फ उसके छोटे-से पांव को थामे सोनारिका और विकास नजर आ रहे हैं. यह तस्वीर भावनाओं से भरी हुई है और देखने वालों को तुरंत आकर्षित कर लेती है. पोस्ट सामने आते ही फैंस और टीवी कलाकारों ने कमेंट बॉक्स को बधाइयों से भर दिया. कई लोगों ने लिखा कि वे बच्ची की झलक देखने का इंतजार कर रहे हैं. सोशल मीडिया पर ट्रेंड भी होने लगा है. सोनारिका के लिए यह साल बेहद खास रहा है. 33 साल की उम्र में मां बनने का एहसास उनके लिए भावुक और यादगार है. करियर की बात करें तो उन्होंने 2011 में टीवी सीरियल 'तुम देना साथ मेरा' से शुरुआत की थी. इसके बाद 'देवों के देव महादेव' ने उन्हें वह लोकप्रियता दी जो हर कलाकार का सपना होता है.

टीवी जगत

रजनी की साजिश में फँसेगी अनुपमा

टीवी के नंबर-वन शो अनुपमा की कहानी इन दिनों लगातार ट्विस्ट और इमोशनल टेंशन से भर रही है. ताज़ा ट्रैक में रजनी का असली चेहरा धीरे-धीरे खुलकर सामने आने वाला है, और इस बार चोट अनुपमा को सबसे गहरी लगने वाली है. अनुपमा ने रजनी पर जरूरत से ज्यादा भरोसा किया—लेकिन अब वही भरोसा उसके लिए दर्दनाक साबित होगा. आने वाले एपिसोड में रजनी को पता चलता है कि अनुपमा अपने करियर में आगे बढ़ने की कोशिश कर रही है. यह सुनकर रजनी के भीतर जलन भड़क उठती है. वह अनुपमा के सामने मीठा व्यवहार करती है, लेकिन पर्दे के पीछे वह उसकी राह में ज़हर घोलने लगती है. चॉल की सड़क बनवाने का मुद्दा सामने लाकर वह सबके बीच अनुपमा का विश्वास जीतने की कोशिश करेगी, लेकिन उसकी नीयत पूरी तरह काली है. उधर, कहानी का सबसे बड़ा धमाका तब होगा जब रजनी की मुलाकात पराग

और गौतम से होती है. पराग को देखते ही उसके चेहरे का रंग उड़ जाता है, क्योंकि यह वही व्यक्ति है जिससे वह कॉलेज के दिनों में जुड़ी हुई थी. पराग भी रजनी को देखकर हिल जाता है. उनके बीच का अनसुलझा अतीत एक बार फिर से उभर आता है.

यंग इंडिया

नौकरी में दो असल हथियार

टेक स्किल्स और एआई की समझ

आज की तेज़ और प्रतिस्पर्धी दुनिया में नौकरी पाना सिर्फ डिग्री का खेल नहीं रह गया है. कार्यस्थल बदल रहा है, कंपनियों की जरूरतें बदल रही हैं, और दुनिया डिजिटल होते-होते अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में प्रवेश कर चुकी है. ऐसे माहौल में युवाओं के लिए यह जरूरी हो गया है कि वे खुद को नई तकनीकों से अपडेट रखें, ताकि नौकरी की दौड़ में पीछे न रह जाएं. यह समय सिर्फ पढ़ाई पूरी करने का नहीं, बल्कि तकनीकी कौशल और एआई को समझने का है, क्योंकि आने वाले वर्षों में यही दोनों करियर को मजबूत आधार देंगे.

आज अधिकांश नौकरियों में बेसिक डिजिटल स्किल्स अनिवार्य हो चुके हैं—जैसे कंप्यूटर ऑपरेट करना, इंटरनेट टूल्स का इस्तेमाल, डेटा को संभालना, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर काम करना और स्मार्ट डिवाइसेज़ का उपयोग. लेकिन इसके साथ ही अब कंपनियां चाहती हैं कि युवा थोड़ा आगे बढ़ें जैसे बेसिक कोडिंग की समझ हो, डिजिटल मार्केटिंग की जानकारी हो, ग्राफिक डिजाइनिंग, वीडियो एडिटिंग जैसे कौशल हों या एक्सेल, पावरपॉइंट जैसे टूल्स पर बेहतर पकड़ हो.

यह स्किल्स न सिर्फ नौकरी पाने में मदद करती हैं बल्कि आपको बाकी उम्मीदवारों से अलग भी खड़ा करती हैं. इसी के साथ एआई तेजी से हर उद्योग का हिस्सा बन रहा है—चाहे वह शिक्षा हो, मीडिया हो, बैंकिंग हो या स्वास्थ्य. इसीलिए युवाओं को एआई टूल्स का इस्तेमाल सीखना चाहिए. आज एआई से आप रिपोर्ट बना सकते हैं, डिजाइन तैयार कर सकते हैं, कोडिंग में मदद ले सकते हैं, रिज्यूमे सुधार सकते हैं, इंटरव्यू की तैयारी कर सकते हैं और नए कौशल सीखने के लिए कस्टम गाइडेंस पा सकते हैं. एआई अब सिर्फ टेक्नोलॉजी नहीं बल्कि एक ऐसा पार्टनर बन चुका है जो हर काम को तेज़, आसान और प्रभावी बनाता है.

एस.एस.सी. जी.डी. कांस्टेबल भर्ती 2026

25,487 पदों पर अवसर आवेदन 31 दिसम्बर तक

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा वर्ष 2026 के लिये जी.डी. कांस्टेबल पदों पर विशाल भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है. आयोग ने सीमा सुरक्षा बल, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल, नारकोटिक्स नियन्त्रण ब्यूरो, विशेष सुरक्षा बल तथा असम राइफल्स में कुल 25,487 रिक्तियों के लिये अधिसूचना जारी की है.

आवेदन प्रक्रिया 01 दिसम्बर 2025 से आरम्भ हो चुकी है और इच्छुक अभ्यर्थी 31 दिसम्बर 2025 तक अपना आवेदन जमा कर सकते हैं. इस भर्ती के लिये निर्धारित आयु सीमा 18 से 23 वर्ष है, जिसकी गणना 01 जनवरी 2025 के आधार पर की जाएगी. आयोग द्वारा नियमानुसार आयु में छूट भी दी जाएगी. वर्गवार रिक्तियों के अनुसार पुरुष अभ्यर्थियों के लिये सामान्य वर्ग में 10,198, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग में 2,416, अन्य पिछड़ा वर्ग में 5,329, अनुसूचित जाति वर्ग में 3,433, तथा अनुसूचित जनजाति वर्ग में 2,091 पद उपलब्ध हैं. महिला अभ्यर्थियों के लिये क्रमश: 904, 189, 436, 269 तथा 222 पद निर्धारित किये गये हैं. शैक्षिक योग्यता में अभ्यर्थी का 10वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है. आवेदन शुल्क सामान्य, आर्थिक रूप से कमजोर और अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये 100 रुपये है, जबकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और समस्त महिला अभ्यर्थियों के लिये शुल्क शून्य रखा गया है. शुल्क का भुगतान 'देविट कार्ड', 'क्रेडिट कार्ड', नेट बैंकिंग', 'आई.एम.पी.एस.' अथवा अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से किया जा सकता है. चयन प्रक्रिया चार चरणों में सम्पन्न होगी—पहला कम्प्यूटरीकृत लिखित परीक्षा, दूसरा शारीरिक दक्षता परीक्षण, तीसरा शारीरिक माप परीक्षण तथा चौथा दस्तावेज़ जाँच और स्वास्थ्य परीक्षण. प्रारम्भिक परीक्षा फरवरी से अप्रैल 2026 के बीच आयोजित की जाएगी. प्रवेश-पत्र परीक्षा से पहले आयोग की पोर्टल पर उपलब्ध करा दिए जाएंगे.

उत्तर प्रदेश पुलिस सहायक संचालक भर्ती 2025

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती तथा पदोन्नति बोर्ड ने रेडियो शाखा के सहायक संचालक के कुल 44 पदों पर भर्ती हेतु अधिसूचना जारी कर दी है.

आवेदन प्रक्रिया 03 दिसम्बर 2025 से आरम्भ हो चुकी है और 02 जनवरी 2026 तक चलेगी. विभाग ने सभी इच्छुक अभ्यर्थियों से आग्रह किया है कि वे अंतिम तिथि से पहले अपना पंजीकरण पूर्ण कर लें. इस भर्ती के लिये निर्धारित आयु सीमा 18 से 22 वर्ष है तथा आयु की गणना 01 जुलाई 2025 को आधार मानकर की जायेगी.

नियमानुसार आरक्षित वर्गों को छूट का प्रावधान रहेगा. शैक्षिक योग्यता के रूप में अभ्यर्थी का 12वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है, जिसमें भौतिकी और गणित मुख्य विषय हों. चयन प्रक्रिया कई चरणों में होगी लिखित परीक्षा, शारीरिक माप परीक्षण, शारीरिक दक्षता परीक्षण, दस्तावेज़ जाँच तथा स्वास्थ्य परीक्षण. सामान्य, अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिये शुल्क 500 रुपये, जबकि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिये शुल्क 400 रुपये रखा गया है.

अभ्यर्थी शुल्क का भुगतान 'देविट कार्ड', 'क्रेडिट कार्ड' इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से कर सकते हैं . शारीरिक मानकों के अनुसार पुरुष अभ्यर्थियों की न्यूनतम लंबाई सामान्य, अन्य पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति वर्ग में 168 सेमी, तथा अनुसूचित जनजाति वर्ग में 160 सेमी निर्धारित है. छाती का माप क्रमश: 79-84 सेमी तथा 77-82 सेमी होना आवश्यक है. महिला अभ्यर्थियों की लंबाई सामान्य, अन्य पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति वर्ग में 152 सेमी, तथा अनुसूचित जनजाति वर्ग में 147 सेमी तय की गयी है.

एस.बी.आई. बैंक विशेषज्ञ अधिकारी भर्ती 2026

996 पदों पर आवेदन प्रक्रिया शुरू

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंकों में से एक, भारतीय स्टेट बैंक ने वर्ष 2026 के लिये विशेषज्ञ अधिकारी भर्ती संबंधी अधिसूचना जारी कर दी है. इस भर्ती के अन्तर्गत कुल 996 पदों पर योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किये गये हैं. आवेदन प्रक्रिया 02 दिसम्बर 2025 से शुरू हो चुकी है और इच्छुक उम्मीदवार 23 दिसम्बर 2025 तक अपना आवेदन जमा कर सकते हैं.

बैंक द्वारा जारी विवरण के अनुसार इस प्रक्रिया के लिये न्यूनतम आयु 20 वर्ष तथा अधिकतम आयु 42 वर्ष निर्धारित की गयी है, जिसकी गणना 01 मई 2025 को आधार मानकर होगी. विभिन्न पदों—जैसे उपाध्यक्ष सम्पदा, सहायक उपाध्यक्ष सम्पदा तथा ग्राहक सम्बन्ध कार्यकारी के लिये अलग-अलग आयु सीमाएँ भी निर्धारित की गयी हैं जिनका उल्लेख अधिसूचना में किया गया है. भर्ती के कुल 506 पद उपाध्यक्ष सम्पदा, 206 पद सहायक उपाध्यक्ष सम्पदा तथा 284 पद ग्राहक सम्बन्ध कार्यकारी के लिये हैं.

उपाध्यक्ष सम्पदा हेतु अभ्यर्थी के पास स्नातक उपाधि के साथ न्यूनतम 06 वर्ष का अनुभव आवश्यक है, जबकि सहायक उपाध्यक्ष पद हेतु 03 वर्ष का अनुभव अनिवार्य रखा गया है. ग्राहक सम्बन्ध कार्यकारी के लिये केवल स्नातक उपाधि पर्याप्त है. आवेदन शुल्क सामान्य, अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिये 750 रुपये निश्चित किया गया है, जबकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा दिव्यांग वर्ग के लिये कोई शुल्क नहीं है.

शुल्क का भुगतान 'देविट कार्ड', 'क्रेडिट कार्ड', नेट बैंकिंग' तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से किया जा सकता है. चयन प्रक्रिया के अन्तर्गत अभ्यर्थियों को पहले छँटनी चरण से गुजरना होगा, जिसके बाद साक्षात्कार, दस्तावेज़ जाँच और अन्त में स्वास्थ्य परीक्षण कराया जायेगा.